

प्रेषक,

आर०सी० लोहनी,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड  
देहरादून ।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून, दिनांक ०५ सितम्बर, 2009

विषय: त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं हेतु  
धनावंटन ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 3466/मुअवि/बजट/बी-1 सामान्य, दिनांक 13.8.09, के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अन्तर्गत संलग्नक-1 में अंकित 07 योजनाओं के रू० 525.36 लाख के आगणनों के विपरीत टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रू० 506.05 लाख (रूपये पांच करोड़ छः लाख पांच हजार मात्र) की लागत के आगणनों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार के पत्र संख्या 41(4)/PF-1/2009-149 दि० 17.07.09 के द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश रू० 202.50 लाख एवं राज्यांश रू० 22.50 लाख, कुल रू० 225.00 लाख (रूपये दो करोड़ पच्चीस लाख मात्र) तथा 39 योजनाओं के लिए भारत सरकार के पत्र संख्या 49(1)/PF-1/2008-409 दिनांक 29.12.08 द्वारा स्वीकृत केन्द्रांश रू० 3872.80 लाख में से शेष केन्द्रांश रू० 361.55 लाख एवं राज्यांश रू० 40.17 लाख कुल रू० 401.72 लाख कुल रू० 626.72 लाख (रू० छः करोड़ छब्बीस लाख बहत्तर हजार मात्र) की धनराशि व्यय करने हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन राज्यपाल महोदय आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

1. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण वितरण अधिकारियों को योजनावार धनराशि का आवंटन कर शासन को सूचना उपलब्ध कराई जायेगी। धनराशि वास्तविक आवश्यकतानुसार आहरित एवं व्यय की जायेगी।
2. योजनाओं पर व्यय भारत सरकार की ए०आईबी०पी० की गाईड लाईन्स व राज्य सरकार के प्रवृत्त नियमों/शासनादेशों के अनुसार किया जायेगा।
3. योजनाओं की भौतिक प्रगति रिपोर्ट तथा उपभोग प्रमाण पत्र (Utilization Certificate) निर्धारित प्रपत्रों पर भारत सरकार के साथ-साथ शासन को भी उपलब्ध करायेंगे।
4. उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रकयोरमेन्ट) नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।

5. यह सुनिश्चित किया जायेगा कि व्यय उन्ही योजनाओं/कार्यों पर किया जायेगा, जो भारत सरकार से स्वीकृत है तथा व्यय योजना की स्वीकृत लागत तक सीमित रखा जायेगा ।
6. इस मद में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्ष 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय, 05-सिंचाई विभाग की नई योजनायें, 800-अन्य व्यय, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 0195-ए०आई०बी०पी० की सिंचाई योजनायें (90% केन्द्रीय सहायता), 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 390/XXVII(2)/2009 दिनांक 31.08.09 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।  
संलग्न यथोपरि ।

भवदीय

(आर०सी० लोहनी)  
संयुक्त सचिव

संख्या : 2034 / 11-2004-04(39)/04दिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
2. निजी सचिव, मा० मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ ।
3. सीनियर, ज्वाइंट कमिश्नर, (एम०आई०) जल संसाधन मंत्रालय, 108 बी० शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।
4. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी ।
5. आयुक्त कुमाऊ मण्डल, नैनीताल ।
6. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
7. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन ।
8. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
9. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
10. गार्ड फाईल ।

संलग्न: तथोपरि ।

आज्ञा से,

(एस०एस० टोलिया)  
अनु सचिव

(रु० धनराशि लाख रु० में )

क्र. स.	योजना का नाम	वित्त की टी०ए०सी० से परीक्षणोपरान्त लागत
1	2	3
1	जनपद चमोली के जोशीमठ में 1.50 किमी० माणा नहर के निर्माण की योजना (टी०ए०सी०पी०)	40.41
2	जनपद चमोली के जोशीमठ वि०ख० में बम्पा नहर (टी०ए०सी०पी०)	38.77
3	जनपद देहरादून के वि०ख० चकराता के अन्तर्गत 19.900 किमी० लम्बी नहर निर्माण की योजना (टी०ए०सी०पी०)	157.60
4	जनपद देहरादून के वि०ख० चकराता के अन्तर्गत ठारटा लिफ्ट सिंचाई योजना (टी०ए०सी०पी०)	58.64
5	जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत रामा लिफ्ट सिंचाई योजना (एस०सी०ए०सी०पी०)	68.66
6	जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत छमरोटा लिफ्ट सिंचाई योजना (एस०सी०ए०सी०पी०)	58.92
7	जनपद बागेश्वर के वि०ख० बागेश्वर में अनर्सा लिफ्ट सिंचाई योजना (एस०सी०ए०सी०पी०)	83.05
	योग	506.05

(रु० पांच करोड़ छः लाख पांच हजार मात्र)

(एस०एस० टोलिया)  
अनु सचिव